ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ताई
कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : २
पाठ का नाम : ताई
PPT-4

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

रखकर मनोहर ने नीचे आँगन में झाँका और पतंग को आँगन में गिरते देखकर प्रसन्नता के मारे फूला न समाया। वह नीचे जाने के लिए शीघ्रता से घूमा परंतु घूमते समय मुँडेर पर से उसका पैर फिसल गया। वह उसे पकड़कर लटक गया और रामेश्वरी की ओर देखकर चिल्लाया, "ताई!" रामेश्वरी ने धड़कते हुए हृदय से इस घटना को देखा। उधर मनोहर के हाथ मुँडेर पर से फिसलने लगे। अत्यंत भय तथा करुण नेत्रों से रामेश्वरी की ओर देखकर चिल्लाया, "अरी ताई!" रामेश्वरी की आँखें मनोहर की आँखों से जा मिलीं। मनोहर की वह करुणा दृष्टि देखकर रामेश्वरी का कलेजा मुँह को आ गया। उन्होंने व्याकुल होकर मनोहर को पकड़ने के लिए अपना हाथ बढ़ाया। उनका हाथ मनोहर के हाथ तक पहुँचा ही था कि मनोहर के हाथ से मुँडेर छूट गई। वह नीचे आ गिरा। रामेश्वरी चीख मारकर छज्जे पर गिर पड़ीं।

रामेश्वरी एक सप्ताह तक बुखार में बेहोश पड़ी रहीं। कभी-कभी बड़े ज़ोर से चिल्ला उठतीं और कहतीं, "देखो...देखो... वह गिरा जा रहा है... उसे बचाओ... दौड़ो... मेरे मनोहर को बचा लो!" कभी वह कहतीं, "बेटा मनोहर, मैंने तुझे नहीं बचाया। हाँ, मैं चाहती तो बचा सकती थी, मैंने तुझे नहीं बचाया! मैंने देर कर दी!" इसी प्रकार के प्रलाप वे किया करतीं।

मनोहर की टाँग की हड्डी उखड़ गई थी। हड्डी बिठा दी गई। वह क्रमशः फिर अपनी असली हालत पर आने लगा। एक सप्ताह बाद रामेश्वरी का ज्वर कम हुआ। होश आने पर उन्होंने पूछा, "मनोहर कैसा है?"

रामजीदास ने उत्तर दिया, "अच्छा है।" वे बोलीं, "उसे मेरे पास लाओ!"

मनोहर को रामेश्वरी के पास लाया गया। रामेश्वरी ने उसे बड़े प्यार से हृदय से लगाया। आँखों से आँसुओं की झड़ी लग गई। हिचकियों से गला रुँध गया।

रामेश्वरी कुछ दिनों बाद पूर्ण स्वस्थ हो गईं। अब वे मनोहर की बहिन चुन्नी को भी खूब प्यार करतीं और मनोहर तो अब उनका प्राणाधार हो गया। दोनों के बिना उन्हें एक क्षण भी चैन नहीं पड़ता।

(७)

शब्दार्थ –

प्रलाप = बड़बड़ाना , अपने हृदय के दुख को बताना

प्राणाधार = प्राणो से प्यारा

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ के प्रशोत्तर

(क) मनोहर की बहन का क्या नाम था ?

उत्तर = मनोहर की बहन का नाम चुन्नी था।

(ख) रामेश्वरी को कौन - सा सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था?

उत्तर = रामेश्वरी को संतान प्राप्ति का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था।

(ग) रामजीदास के छोटे भाई का नाम क्या था ?

उत्तर = रामजीदास के छोटे भाई का नाम कृष्णदास था।

(घ) मनोहर ने ताई को क्या मँगवाकर देने के लिए कहा?

उत्तर = मनोहर ने ताई को पतंग मंगवाकर देने के लिए कहा।

(ङ) छत से गिरने पर मनोहर को कहाँ चोट लगी ?

उत्तर = छत से गिरने पर मनोहर की टांग में चोट लगी।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

लिखित

१. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) बाबू रामजीदास धनी आदमी थे।

(ख) शास्त्र में लिखा है कि जिसके पुत्र नहीं होता , उसकी मुक्ति नहीं होती।

(ग) एक दिन रामेश्वरी छत पर टहल रही थी।

(घ) एक सप्ताह बाद रामेश्वरी का ज्वर कम हुआ '

२. किसने , किससे कहा ?

(क) " ताऊजी , हमें लेलगाड़ी लादोगे ?" ---------- मनोहर ने रामजीदास से I

(ख) " ताई को नहीं ले जाएँगे।" ---------- मनोहर ने रामजीदास से।

(ग) " इसे खोपड़ी पर लादना कहते हैं। " ----------रामजीदास ने रामेश्वरी से।

(घ) " उसे मेरे पास लाओ।" ----------रामेश्वरी ने रामजीदास से।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) ताई से मनोहर नफ़रत करता था। इसका कारण क्या था?

उत्तर = ताई ने मनोहर नफ़रत करता था। इसके निम्नलिखित कारण है –

(१) मनोहर अभी बच्चा था। उसमें समझ की कमी थी।

(२) ताई का व्यवहार मनोहर के प्रति अच्छा नहीं था।

(३) मनोहर को ताई ने अपनी गोद से ढकेल दिया था।

(४) रामेश्वरी के अपनी कोई संतान नहीं थी। रामजीदास मनोहर को बहुत प्यार करते थे। इस कारण भी ताई संतुष्ट नहीं रहती थी।

(ख) ताई का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ ?

उत्तर = ताई हमेशा मनोहर तथा रामजीदास पर क्रोधित होती रहती थी। वह किसी भी दशा में मनोहर को प्यार नहीं देना चाहती थी ।परंतु कहा जाता है कि समय सब कुछ बदल देता है। ऐसा ही एक दिन हुआ। जब मनोहर का पैर मुँडेर से फिसल गया। उसकी आवाज़ को सुनकर तथा उसे गिरते हुए देखकर ताई रामेश्वरी के मुख से चीख निकल पड़ी। मनोहर के नीचे गिर जाने के कारण उसकी टाँग की हड्डी उखड़ गई थी। इस घटना के बाद ताई का हृदय परिवर्तन हो गया

गृहकार्य - उपरोक्त उत्तर H/W की कॉपी में लिखना।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow